ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-६२
दिनांक-मंगलवार,६ अगस्त,२०१६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३४.५ एवं २७.८ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८५ सुबह में एवं दोपहर में ६० प्रतिशत, हवा की औसत गति ६.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ५.८ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ६.५ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में ३०.५ एवं दोपहर में ३२.० डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(७-११ अगस्त,२०१६)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ७-११ अगस्त,२०१६ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में मध्यम बादल छाये रह सकते हैं। इस अवधि में तराई एवं मैदानी जिलों में कहीं-कहीं छिट-पुट वर्षा का अनुमान है। हलाकि १०-११ अगस्त के आसपास कहीं-कहीं हल्की से मध्यम वर्षा भी हो सकती है।
- अधिकतम तापमान ३४ से ३६ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान २६ से २८ डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- औसतन १० से १५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पुरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८० से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ६० से ६५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- धान की रोपाई यथाशीघ्र समाप्त कर लें। रोपे हुए धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के कार्य को प्राथमिकता दें।
- हल्दी, अदरक, ओल और बिगत माह बोयी गई बरसाती सब्जियों में आवश्यकतानुसार निकाई-गुड़ाई करें। इन फसलों में कीट-व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- अरहर की बुआई अविलंब समाप्त करें। अगात बोयी गई अरहर की फसल में निकौनी तथा छटनी करे। सितंबर अरहर के लिए खेत की तैयारी करें।
- परवल की राजेन्द्र परवल-१, राजेन्द्र परवल-२, एफ०पी० १, एफ०पी० ३, स्वर्ण रेखा, स्वर्ण अलौकिक, आई०आई०भी०आर०-१,२,१०५ किस्मों की रोपनी करें। बीज दर २५०० गुच्छियाँ प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी २ग२ मीटर रखें। परवल की रोपाई के लिए प्रति गड्ढ़ा कम्पोस्ट ३ से ५ किलो ग्राम, नीम या अंडी की खल्ली २५० ग्राम, एस०एस०पी० १०० ग्राम, म्यूरेट ऑफ पोटाश २५ ग्राम एवं थिमेट १० से १५ ग्राम का व्यवहार करें। परवल के अच्छे फलन के लिए ५ प्रतिशत नर पौधे की रोपाई अवश्य करें।
- पपीता की नर्सरी उथली क्यारियों (१०-१५ सेन्टी मीटर ऊँची) में बोयें। इसके लिए उन्नत प्रभेद पूसा ड्वार्फ, पूसा नन्हा, पूसा डीलीसीयस, सी०ओ०- ०७, सुर्या एवं रेड लेडी है। बीजदर ३००-३५० ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बीज को वैविस्टन २ ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से उपचारित कर क्यारियों में ०७-१० सेन्टीमीटर की दुरी पर बोयें।
- फूलगोभी की अगात किस्में कुँआरी, पटना अर्ली, पूसा कतकी, हाजीपुर अगात, पूसा दिपाली की रोपाई करें। खेत की तैयारी के समय २० से २५ टन सड़ी गोबर की खाद, ३० किलोग्राम नेत्रजन, ६० से ८० किलोग्राम फॉस्फोरस, ४० से ६० किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। बोरान तथा मॉलिब्डेनम तत्व की कमी वाले खेत में १०-१५ किलो ग्राम बोरेक्स तथा १-२ किलोग्राम अमोनियम मालिब्डेट का व्यवहार करे।
- फुलगोभी की मध्यकालीन किस्में अगहनी, पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक-१, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेघना, काशी कुवाँरी एवं अर्ली स्नोबॉल किस्मों की बुआई नर्सरी में करें। उपचारित बीज उथली क्यारियों मे पंक्तियों में गिराये।
- मिर्च का बीज उथली क्यारियों मे गिराये। इसके लिए उन्नत प्रभेद पंत मिर्च-३, कृष्णा, अर्का लोहित, पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, पंजाब लाल, काशी अनमोल तथा संकर किस्में अग्नि रेखा, कल्याणपुर चमन, कल्याणपुर चमत्कार, बी०एस०एस०-२६७ अनुशंसित है। बीज को गिराने से पूर्व थीरम ७५ प्रतिशत दवा से बीजोपचार करें। वैसे किसान जिनका मिर्च का बिचडा तैयार हो, वे रोपनी करें। रोपाई पूर्व जीवाणु खाद से विचड़ों का उपचार अवश्य करें।
- सब्जियों की नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग फैलाते है। इन कीट का प्रकोप दिखाई देने पर बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का ०.३ मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- जिन किसान भाई का प्याज का पौध ४५-५० दिनों का हो गया हो वे पाँक्ति से पाँक्ति की दुरी १५ से०मी०, पौध से पौध की दुरी १० से०मी० पर रोपाई करें। खेत की तैयारी के समय १५०-२०० क्विंटल प्रति हेक्टेयर सड़ी हुई गोबर की खाद, ६० किलोग्राम नेत्रजन, ८० किलोग्राम स्फुर एवं ८० किलोग्राम पोटाश के साथ २० किलोगाम सल्फर का व्यवहार करें। प्याज के पौध की रोपाई के लिए खेतो को समतल कर छोटी-छोटी उथली क्यारियाँ बनावें, जिसकी चौड़ाई २ मीटर एवं लम्बाई ३ से ५ मीटर तक रख सकते हैं। प्रत्येक दो क्यारियो के बीच जल निकास हेतु नालियाँ अवश्य बनावें।
- किसान भाई अपनी पसंद के अनुसार आम, लीची, ऑवला, अमरुद, कटहल, शरीफा, नींबु के श्वस्थ पौधों की रोपनी करे। रोपाई के पहले, प्रति गड्ढ़ा ४० से ५० किलोग्राम गोबर का प्रयोग अवश्य करें।

आज का अधिकतम तापमानः ३७.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ४.३ डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः २६.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.२ डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी